



सा.अ. / 16 / 14

30 नवंबर 2020

प्रेस विज्ञप्ति

माननीय उपराष्ट्रपति श्री वेंकैया नायडू द्वारा भारतीय साहित्य की
10 महान कृतियों के चीनी तथा रूसी भाषाओं में अनुवादों की घोषणा

भारत के क्षेत्रीय साहित्य के अनुवाद से देश की प्राचीन सांस्कृतिक विरासत
विदेशों तक पहुँचेगी – माननीय उपराष्ट्रपति श्री वेंकैया नायडू

नई दिल्ली, 30 नवंबर 2020 । शंघाई सहयोग सगठन (एससीओ) की आभासी बैठक के दौरान आज भारत के माननीय उपराष्ट्रपति श्री वेंकैया नायडू ने आधुनिक भारतीय साहित्य की 10 कालजयी कृतियों के चीनी तथा रूसी अनुवादों के पूर्ण होने की घोषणा की। यह घोषणा करते हुए उन्होंने कहा कि भारतीय क्षेत्रीय साहित्य की इन अद्वितीय कृतियों के चीनी तथा रूसी भाषाओं में अनुवाद से भारत की प्राचीन और समृद्ध भारतीय सांस्कृतिक विरासत में दूसरे देशों के लोगों की व्यापक रुचि उत्पन्न होगी।

ज्ञात हो कि भारत के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने जून 2019 में कजाकिस्तान की राजधानी बिश्केक में हुए एससीओ शिखर सम्मेलन में घोषणा की थी कि भारतीय भाषाओं की 10 महान कृतियों का चीनी तथा रूसी भाषा में अनुवाद किया जाएगा। तदनुसार, साहित्य अकादेमी ने आधुनिक भारतीय साहित्य से 10 भारतीय भाषाओं की 10 कृतियों का चयन किया तथा इनका चीनी तथा रूसी अनुवाद प्रकाशित किया।

भारत के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने 10 नवंबर 2020 को एससीओ प्रमुखों की आभासी बैठक में साहित्य अकादेमी द्वारा इनके अनुवाद पूर्ण किए जाने की घोषणा की थी।

साहित्य अकादेमी ने इस अवसर पर इन पुस्तकों के अंग्रेजी संस्करणों का भी पुनर्मुद्रण किया है।

चीनी तथा रूसी भाषाओं में अनूदित ये भारतीय कृतियाँ हैं – सूरजमुखीर स्वप्न ले. सैयद आबुल मालिक (असमिया), आरोग्य निकेतन ले. ताराशंकर बंद्योपाध्याय (बाङ्ला), वेविशाल ले. झवेरचंद मेघाणी (गुजराती), कव्वे और काला पानी ले. निर्मल वर्मा (हिंदी), पर्व ले. एस.एल. भैरप्पा (कन्नड), मनोज दासंक कथा ओ काहीणी ले. मनोज दास (ओड़िया), मढ़ी दा दीवा ले. गुरदियाल सिंह (पंजाबी), शिल नेरंगळिल शिल मणितर्कळ ले. जयकांतन (तमिळ), इल्लु ले. राचाकोंडा विश्वनाथ शास्त्री (तेलुगु) और एक चादर मैली सी ले. राजिन्दर सिंह बेदी (उर्दू)।


(के. श्रीनिवासराव)